

वश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

//

विश्व की प्रमुख सभ्यताएँ

मेसोपोटामिया, 4000-3500 ईसा पूर्व

- इसका उद्गम आधुनिक इराक और ईरान, सीरिया, कुवैत और तुर्की के कुछ भाग, टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियों के बीच हुआ
- इसे सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में जाना जाता है
- अपनी लिपि, देवताओं और महिलाओं पर विचारों वाली संस्कृतियों का विविध संग्रह
- समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य को दर्शाते हुए, धर्म, कानून, चिकित्सा और ज्योतिष जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाली अत्यधिक सम्मानित शिक्षा प्रणाली
- पुरुष तथा महिला दोनों विविध व्यवसायों में शामिल थे, जिनमें कृषि के साथ-साथ मुंशी, चिकित्सक, कारीगर, बुनकर, कुम्हार आदि जैसी भूमिकाएँ भी शामिल थीं।
- महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त थे और वे जमीन की मालिक भी हो सकती थीं, तलाक के लिये याचिका लगा सकती थीं, आदि
- मीनारें, सीढ़ीदार पिरामिड मंदिरों के आसपास बसे हुए शहर के निवासी अपने संरक्षक देवता का सम्मान करते थे
- धूप में सुखाई गई ईंटों से निर्मित शहर, विश्व के पहले शहर थे।

प्राचीन मिस्र, 3100 ईसा पूर्व

- नील नदी के तट पर स्थित
- पिरामिडों, कब्रों और मकबरों के लिये सबसे अधिक जाना जाता है, जिसमें शवों को मृत्यु के पश्चात् के जीवन हेतु तैयार करने के लिये ममीकरण किया जाता है।
- इसने स्मारकीय लेखन और गणित प्रणालियों की विरासत छोड़ी
- सभ्यता 332 ईसा पूर्व में सिकंदर महान की विजय के साथ समाप्त हो गई

सिंधु घाटी सभ्यता, 3300 ईसा पूर्व

- यह आधुनिक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में स्थित है
- अन्य प्राचीन सभ्यताओं की तुलना में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण, व्यापक युद्ध के बहुत कम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं
- संगठित शहर की योजना, एकसमान पकी-ईट वाले घरों, एक ग्रिड संरचना और जल निकासी, सीवेज और जल आपूर्ति प्रणालियों से परिपूर्ण
- 1800 ईसा पूर्व के आसपास इसका पतन हुआ, मृत्यु के पीछे के वास्तविक कारणों पर अभी भी परिचर्चा होती है (ये सिद्धांत पतन के लिये आर्य आक्रमण या जलवायु एवं प्राकृतिक कारणों को प्रस्तावित करते हैं)

प्राचीन चीन, 2000 ईसा पूर्व

- हिमालय पर्वत, प्रशांत महासागर और गोबी रेगिस्तान द्वारा संरक्षित, यलो और यांग्त्ज़ी नदियों के बीच स्थित
- सदियों तक आक्रमणकारियों और अन्य विदेशियों से संघर्ष में फला-फूला
- सामान्यतः चार राजवंशों में विभाजित - ज़िया, शांग, झोउ और किन - प्राचीन चीन पर एक के बाद एक सम्राटों का शासन था।
- दशमलव प्रणाली, अबेकस और धूपघड़ी के साथ-साथ प्रिंटिंग प्रेस को विकसित करने का श्रेय दिया जाता है
- बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के निर्माण के लिये आबादी को संगठित किया (मिस्रवासियों के समान)

